

1947 अगस्त 14 की मध्यरात्रि की वेला में भारतीय स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री ने लालकिला में हमारा तिरंगा फहराते हुए देश से जो अपील की थी.....

प्रश्नों का उत्तर गद्यांश से ढूँढें:

(I) कई वर्ष पहले प्रतिज्ञा ले रहे हैं।

(1) कई वर्षों पहले भारतवासियों को कौन-सा वचन दिया था?

नियति को मिलने का।

(2) 'अब समय आ गया है' - किसका?

अपने वचन को निभाने का।

(3) वचन क्या है? उसे कैसे निभाएगा?

नियति को मिलने का वचन पूरी तरह नहीं लेकिन बहुत हद तक निभाएगा।

(4) सारी दुनिया सोते वक्त भारत कैसे उठेगा?

भारत जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह के साथ उठेगा।

(5) जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह की विशेषता क्या-क्या है?

जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह इतिहास में बहुत ही कम आता है, हम पुराने को छोड़कर नए की तरफ जाते हैं। यह क्षण एक युग का अंत है, और वर्षों तक शोषित एक देश की आत्मा अपनी बात कहती है।

(6) 'भारत जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह के साथ उठेगा।' नेहरू जी ऐसा क्यों कहते हैं?

भारत अंग्रेजों के गुलाम थे। दशाब्दों की कोशिशों के फलस्वरूप 1947 में हम स्वतंत्र हुए। नेहरू जी कहते हैं कि नियति को मिलने का वचन बहुत हद तक निभाने का समय आ गया है। यह स्वतंत्रता वास्तव में भारतवासियों के जीवन की नई सुबह है।

(7) 'एक ऐसा क्षण जो इतिहास में बहुत ही कम आता है' - कौन-सा क्षण?

दशाब्दों की कोशिशों के फलस्वरूप 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ। नेहरू जी कहते हैं कि एक पूरे देश में जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह का अनोखा क्षण इतिहास में बहुत ही कम आता है।

(8) ऐसे अनोखे क्षण में हम भारतवासी क्या करना चाहिए?

स्वतंत्रता प्राप्ति के अनोखे क्षण में हम भारतवासी समर्पण के साथ अपने देश और देश की जनता की सेवा से सारी मानवता की सेवा करने के लिए प्रतिज्ञा लेना है।

(9) स्वतंत्रता की इस पवित्र मौके पर हम भारतवासी खुद कौन-सी प्रतिज्ञा ले रहे हैं?

इस पवित्र मौके पर हम समर्पण के साथ खुद को भारत और उसकी जनता की सेवा, और उससे बढ़कर सारी मानवता की सेवा करने के लिए प्रतिज्ञा ले रहे हैं।

(10) खंड का संक्षेपण करके उचित शीर्षक दें।

वर्षों पहले दिया गया वचन को निभाने का समय आ गया है। आज रात बारह बजे भारत स्वतंत्रता की नई सुबह के साथ उठेगा।

शोषित देश की आत्मा, अपनी बात कहनेवाले इस संयोग में हम अपने देश और देश की जनता की सेवा से सारी मानवता की सेवा के लिए प्रतिज्ञा ले रहे हैं।

(I I) इतिहास के आरंभ..... चुनौतियों को स्वीकार करें?

1. इतिहास के आरंभ के साथ भारत ने क्या प्रारंभ की?

इतिहास के आरंभ के साथ भारत अपनी अंतहीन खोज प्रारंभ की।

2. भारत ने अपनी अंतहीन खोज कब प्रारंभ की?

इतिहास के आरंभ के साथ।

3. अपने अच्छे समय हो या बुरा, भारत ने क्या किया?

भारत ने कभी भी अपनी अंतहीन खोज से दृष्टि नहीं हटाई और कभी भी अपने को शक्ति देनेवाले आदर्शों को नहीं भूला।



4. 'आज हम दुर्भाग्य के एक युग का अंत कर रहे हैं' – दुर्भाग्य का युग क्या है?
कई वर्षों की गुलामी ही यहाँ 'दुर्भाग्य की युग' संज्ञा दिया है।
5. नेहरू जी की राय में दुर्भाग्य के एक युग का अंत कब हुआ है?
देश की स्वतंत्रता प्राप्ति में दुर्भाग्य के एक युग का अंत कब हुआ है।
6. 'आज हम दुर्भाग्य के एक युग का अंत कर रहे हैं और भारत पुनः खुद को खोज पा रहा है' – तात्पर्य क्या है?
कई वर्षों से भारत अंग्रेजों के गुलाम थे। गुलामी में रहकर हमारे संस्कृति, सभ्यता, संपत्तियाँ आदि नष्ट होने लगे। नेहरू जी मानते हैं कि, स्वतंत्रता से भारत की गरिमा को पुनः खोज कर लेना है। अर्थात् कठिन परिश्रम करके अपनी खोई हुई गरिमा को पुनः खोज लेना है।
7. आज कौन उपलब्धि का उत्सव मना रहे है?
भारतवासियों।
8. आज भारतवासियों किस उपलब्धि का उत्सव मना रहे हैं?
आज भारतवासियों स्वतंत्रता प्राप्ति का उत्सव मना रहे हैं।
9. आज की उपलब्धि किसकी कदम है?
नए अवसरों के खुलने का।
10. 'इससे भी बड़ी विजय और उपलब्धियाँ हमारी प्रतीक्षा कर रही हैं' – तात्पर्य क्या है?
देश की स्वतंत्रता नए अवसरों के खुलने का कदम है। हमें अवसरों को पहचान करके भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करके नए-नए विजय और उपलब्धियों को खोज कर पाना है।
11. भारतवासियों में किसकी शक्ति और बुद्धिमत्ता है?
भारतवासियों में अवसरों को समझने और भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने की शक्ति एवं बुद्धिमत्ता है।
12. खंड का संक्षेपण करके उचित शीर्षक दें।

भविष्य की दृष्टि

इतिहास के आरंभ से भारत ने अपनी अनंत खोज प्रारंभ की। अपने अच्छे और बुरे समय में भी इस खोज को नहीं छोड़ा और अपने को शक्ति देनेवाले आदर्शों को नहीं भूला। दुर्भाग्य के इस युग का अंत हमारे लिए नए अवसरों के खुलने का कदम है। इससे भी बड़ी उपलब्धियाँ हमारे आगे हैं और हम अवसरों को समझकर भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करें।

(I I I) भविष्य में हमें.....सपनों को साकार करें।

1. भविष्य में हमें विश्राम छोड़कर क्या करना चाहिए?
भविष्य में हमें विश्राम छोड़कर हमारे वचन को बार-बार दोहराएँ और उसके लिए निरंतर प्रयत्न करें।
2. भारत की सेवा का अर्थ क्या है?
लाखों-करोड़ों पीड़ित लोगों की सेवा करना।
3. लाखों-करोड़ों पीड़ित लोगों की सेवा का तात्पर्य क्या है?
गरीबी और अज्ञानता को मिटाना, बीमारियों और अवसरों की असमानता को मिटाना।
4. हमारे समाज से क्या-क्या मिटाना है?
हमारे समाज से गरीबी, अज्ञानता, बीमारियों तथा अवसरों की असमानता को मिटाना है।
5. हमारी पीढ़ी के सबसे महान व्यक्ति कौन है? उनकी महत्वाकांक्षा क्या है?
महात्मा गाँधी। गाँधीजी की महत्वाकांक्षा यह रही कि हर एक आँख से आँसू मिट जाएँ।
6. महात्मा गाँधी की महत्वाकांक्षा की पूर्ति केलिए हमें क्या-क्या कर सकते हैं?
महात्मा गाँधी की महत्वाकांक्षा की पूर्ति केलिए हमें अपने समाज से गरीबी, अज्ञानता, बीमारियों तथा अवसरों की असमानता को मिटाने केलिए निरंतर परिश्रम करके हर एक आँख से आँसू को मिटाना चाहिए।
7. 'हर एक आँख से आँसू मिट जाएँ' – वाक्य में 'हर एक' शब्द से नेहरू जी किसके बारे में संकेत करते हैं?
भारत के लाखों-करोड़ों पीड़ित लोगों के बारे में संकेत करते हैं।

8. कब तक हमारा काम खत्म नहीं होगा?

जब तक लोगों की आँखों में आँसू है और वे पीड़ित हैं, तब तक हमारा काम खत्म नहीं होगा।

9. हमें किसके लिए परिश्रम करना है?

अपने सपनों को साकार करने के लिए परिश्रम करना है।

10. खंड का संक्षेपण करके उचित शीर्षक लिखें।

भारत का भविष्य

भविष्य में हमें अपने वचन को दोहराकर देश की सेवा करें। भारत की सेवा से तात्पर्य है, लाखों-करोड़ों पीड़ित लोगों की सेवा करना है। हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रयत्न करें।

(I V) वे सपने भारत सारे बच्चे रह सकें।

1. हमारे सपने किसके लिए हैं?

हमारे सपने भारत के लिए हैं, साथ ही पूरे विश्व के लिए भी हैं।

2. हमारे सपने भारत के साथ विश्व के लिए भी हैं, क्यों?

या

हमारे सपने भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी हैं। नेहरू जी के इस कथन का तात्पर्य क्या है?

आज किसी भी देश को अलग सोचना संभव नहीं, क्योंकि सारे राष्ट्र और जनता एक दूसरे से बड़ी समीपता से जुड़ा हुए हैं।

3. किसको अविभाज्य कहा गया है?

शांति, स्वतंत्रता, समृद्धि और विनाश को अविभाज्य कहा गया है।

4. 'हमें स्वतंत्र भारत का निर्माण करना चाहिए' – 'स्वतंत्र भारत' कैसा होना चाहिए?

स्वतंत्र भारत उनके सारे बच्चों को एक साथ रहने लायक होना चाहिए।

5. खंड का संक्षेपण करके उचित शीर्षक दें।

सपने.....पूरे विश्व के लिए

आज सभी राष्ट्र एक-दूसरे से बड़ी समीपता से जुड़े रहने के कारण हमारे सपने पूरे विश्व के लिए भी हैं। शांति, स्वतंत्रता, समृद्धि और विनाश अविभाज्य हैं। स्वतंत्र भारत महान है, जहाँ उसके सारे बच्चे रह सकें।

1. नेहरूजी का भाषण पढ़नेवाली एक छात्रा अपने मित्र से इसके बारे में बातचीत करती है। वह बातचीत तैयार करें।

पूजा : अरे आशा, क्या तुम्हारी कक्षा में नेहरूजी का भाषण पढ़ा है?

आशा : नहीं, हमारे अध्यापक जी पिछले हफ्ते कक्षा में नहीं आया।

पूजा : मुझे तो बहुत अच्छा लगा। मैं ने दो-तीन बार पढ़ा है।

आशा : दो-तीन बार! कैसे लगा?

पूजा : बिलकुल जोशीला रहा।

आशा : जोशीला! क्यों?

पूजा : वाह! हमारे पहला प्रधानमंत्री की दीर्घदृष्टि कितना भावुक है?

आशा : सुना है, आज अध्यापक जी आया है। अगला कालांश हिंदी है।

पूजा : तो इसे पढ़ाया जाएगा।

आशा : मुझे पाठ-पुस्तक अभी तक नहीं मिला।

पूजा : घबराओ मत, मैं दूँगा।

आशा : धन्यवाद, बाद में हमें पुस्तकालय जाना है।

पूजा : जी हाँ, हमारे डिजिटल पुस्तकालय में वाई-फाई सुविधा है।

आशा : हाँ, हमें इसे सुन भी सकते हैं।

पूजा : तो, फिर हमें अगले कालांश के बाद मिलेगा।

आशा : ज़रूर.....

पिछले सालों के परीक्षा में आए प्रश्न:

MARCH 2017

सूचना: 'मेरे भारतवासियो' भाषण का अंश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

भविष्य में हम विश्रामआँसू मिट जाएँ।

1. 'मेरे भारतवासियो' किसका भाषण है?
2. भविष्य में हमें क्या करना है?
3. भारत की सेवा का मतलब क्या है?
4. इस खंड का संक्षेपण करें।
5. संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक दे



(Score 1)
(Score 2)
(Score 3)
(Score 7)

MARCH 2018

6. 'जब तक लोगों की आँखों में आँसू हैं और वे पीड़ित हैं तब तक हमारा काम खत्म नहीं होगा।' नेहरू जी के अनुसार भारत के नव-निर्माण केलिए हमें क्या करना है?
(एक या दो वाक्यों में उत्तर लिखें।)

(Score 2)

MARCH 2019

7. 'भारत जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह के साथ उठेगा' – नेहरूजी ऐसा क्यों कहते हैं?
(पाँच या छः वाक्यों में उत्तर लिखें।)

(Score 4)

MARCH 2020

8. 'मेरे भारतवासियो.....' किस विधा की रचना है?
(कहानी, नाटक, भाषण)

(Score 1)

सूचना: गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

आज हम जिस उपलब्धि पीड़ित लोगों की सेवा करना।

9. भारत की सेवा का अर्थ क्या है?
10. गद्यांश का संक्षेपण करें और शीर्षक दें।
(चार या पाँच वाक्यों में उत्तर लिखें।)

(Score 6)

कोष्ठक से उत्तर चुनकर लिखें:

1. स्वतंत्रता का उत्सव किसका कदम है?
(अंतहीन खोज का, नए अवसरों को खुलने का, खुद को खोज पाने का)
2. 'वक्त' शब्द का अर्थ क्या है?
(भाग्य, सेवा, समय)
3. भारत की सेवा का अर्थ क्या है?
(मानवता की सेवा करना, जनता की सेवा करना, लाखों-करोड़ों पीड़ितों की सेवा करना)
4. हमारी पीढ़ी की सबसे महान व्यक्ति कौन है?
(गाँधीजी, नेहरू, जिन्नाह)
5. कब तक जनता पीड़ित है?
(स्वतंत्रता प्राप्ति तक, आँखों में आँसू रहने तक, नए अवसरों को खुलने तक)
6. हमें किसके लिए परिश्रम करना चाहिए?
(सपनों को साकार करने केलिए, उपलब्धि का उत्सव मनाने केलिए, अवसर को समझने केलिए)
7. सभी राष्ट्र और लोग एक दूसरे से बड़ी से जुड़े हुए हैं।
(अशांति, समीपता, दूरी)
8. हमें अपने सपनों को साकार करने केलिए क्या करना होगा?

9. स्वतंत्रता की पवित्र मौके पर हमें किन-किन की प्रतिज्ञा लेनी है?

10. नेहरूजी के अनुसार भारत की सेवा का अर्थ क्या है?

परीक्षा केंद्रित कुछ प्रश्न। सबका उत्तर स्वयं लिखने का प्रयास करें :

1. नेहरू जी का भाषण पढ़नेवाली एक छात्र की उस दिन की डायरी तैयार करें।

सहायक संकेत: भारत की स्वतंत्रता, देश से की गई अपील, हमारे विजय, पीड़ित लोगों की सेवा

25.07.2020

□□□□□□

आज हमारे हिंदी कक्षा नेहरू जी की ओजभरी वाणी से मुखरित रहा। अध्यापिका जी ने.....

2. नेहरू जी का भाषण पढ़नेवाली एक छात्रा अपने मित्र को पत्र लिखते हैं। वह पत्र तैयार करें।

सहायक संकेत: नेहरू जी का भाषण, देश का विजय, गाँधीजी की महत्वाकांक्षा

प्रिय देवी,

क्या घर में सब खुशी है? हमारे हिंदी कालांश आज बहुत जोशीला रहा.....

3. लाखों के बलिदानों के परिणामस्वरूप 1947 में भारत गुलामी के जंजीर तोड़ लिया। लालकिला में भारत के तिरंगा फहराने के बाद नेहरू ने अपनी डायरी में क्या लिखा होगा? कल्पना करके लिखें।

सहायक संकेत: स्वतंत्रता के लिए जान की कुर्बान, गुलामी से मुक्ति, तिरंगा फहराना

1947 अगस्त 15

आज मेरा सपना सफल हो गया। केवल मेरा ही नहीं, प्यारी जनता का, पूरे देश का

4. 1947 अगस्त 14 की मध्यरात्रि की वेला में भारत स्वतंत्र हुआ। अगले दिन के समाचार पत्रों में भारत की स्वतंत्रता और नेहरू जी का भाषण के बारे में समाचार छपती है। वह समाचार कल्पना करके लिखें।

सहायक संकेत: ब्रिटीश शासन का अंत, शासन सत्ता ग्रहण करना, स्वतंत्रता की घोषणा, आज़ाद भारत की खुशी

शताब्दियों के दासता के बाद भारत में स्वतंत्रता का मंगल प्रभात

बापू का चिर तपस्या सफल

दिल्ली: कल रात 12 बजे भारत के इतिहास के एक अनोखा क्षण था। हमारी स्वतंत्रता की घोषणा.....

5. स्वतंत्रता प्राप्ति के दिन गाँधीजी कलकत्ता में थे। सालों बाद बापू अपनी आत्मकथा लिखने की तैयारी में हैं। गाँधीजी की आत्मकथा के वह पन्ना कल्पना करके लिखें।

सहायक संकेत: सदियों की गुलामी, स्वतंत्रता संग्राम, नियति को मिलने की खुशी

एक अविस्मरणीय दिन

1947 अगस्त 15 को कभी नहीं भूलेगा। मेरा चिर तपस्या.....

6. 1947 अगस्त 14 मध्यरात्रि की शुभ वेला में बापू का चिर तपस्या सफल हुए। हमारे तिरंगा फहराने के बाद नेहरू का मुलाकात बापू से होती है। उन दोनों के बीच का संभावित वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

(गाँधीजी अपने चरखा (Spinning wheel) के सामने थे)

नेहरू : अरे, बापू जी, हमारे वचन, अब,

बापू : सुना था, मैं अब बहुत खुश हूँ।

.....

7. नेहरू जी का भाषण का आप में क्या प्रभाव हुआ? अपनी डायरी के रूप में लिखें।

सहायक संकेत: गुलामी के जंजीर तोड़ना, आज़ादी की धुन, स्वतंत्रता की रक्षा करना

21.07.2020

आज का हिंदी कालांश कभी नहीं भूलेगा। पहले अध्यापिका जी हमें एक भाषण सुनाया। नेहरू जी का वाणी.....

8. नेहरू जी अपना आत्मकथा लिखते वक्त भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के बारे में भी जिक्र करता है। वह आत्मकथांश तैयार करें।

सहायक संकेत: ब्रिटिश शासन की समाप्ति, भारत स्वतंत्र, भविष्य के लिए प्रतिज्ञा, जनता की आँखों से आँसू मिटाना।

स्वतंत्रता की वेला में.....

दशाब्दों का परिश्रम का फल, 14 अगस्त 1947 मध्यरात्रि में हम भारतमाता के हाथों से गुलामी के जंजीर

9. 15 अगस्त 2020 को आपके स्कूल में स्वतंत्रता प्राप्ति का 73 वीं सालगिरह (Anniversary) मनाने की तैयारी में है। स्कूल में प्रिंसिपल द्वारा तिरंगा फहराने के बाद की भाषण आपकी जिम्मेदारी है। उसी दिन स्कूल में प्रस्तुत करने के लिए उचित भाषण तैयार करें।

सहायक संकेत: गुलामी के जंजीर, आज़ादी, गाँधीजी की उम्मीद, आज़ादी के 73 वीं वर्ष

आदरणीय प्रिंसिपल जी, पी.टी. ए प्रेसिडेंट जी, गुरुजनों, मेरे प्रिय मित्र,

सबसे पहले मैं आप सब को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ देती हूँ। मुझे 73 वीं स्वतंत्रता दिवस पर आपके सामने बोलने का सुअवसर मिला है। हम जानते हैं आज से ठीक 73 वर्ष पूर्व

10. स्कूलों में स्वतंत्रता प्राप्ति का 73 वीं सालगिरह (Anniversary) मनाने की तैयारी हो रहे हैं। आपके पड़ोसी एक अलग स्कूल में पढ़ती है। आप दोनों अपने-अपने स्कूलों की तैयारियों के बारे में बातचीत करते हैं। दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

सहायक संकेत: स्वतंत्रता के 73 वीं वार्षिक, विशेष सभा (Special Assembly), छात्रों के भाषण, देशभक्ति गीत आदि

श्रीराम : अरे मिथुन, आ गई स्कूल से?

मिथुन : हाँ, स्कूल में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियाँ हो रही हैं।

.....


